HINDI

(Three hours)

*(Candidates are allowed additional 15 minutes for **only** reading the paper. They must NOT start writing during this time.)*

---

*Answer questions **1, 2** and **3** in Section **A** and **four** other questions from Section **B** on at least **three** of the prescribed textbooks.*

*If you answer **two** questions on any **one** book, do not base them both on the **same** material.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A

1. Write a composition in Hindi in approximately 400 words on any ONE of the topics given below :— [20]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **400** शब्दों में **हिन्दी** में निबन्ध लिखिये :—

(a) प्रकृति का संदेश—जिओ और जीने दो।

(b) टेलीविज़न पर प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रमों ने सामान्य मनुष्य को अपनी प्रतिभा प्रकट करने हेतु एक मंच प्रदान किया है। चर्चा कीजिए।

(c) फैशन एक स्वाभाविक प्रवृत्ति है जो धन पर निर्भर नहीं होती–पक्ष या विपक्ष में अपना मत लिखिए।

(d) अन्धविश्वास।

(e) विश्व को भारत का योगदान।

(f) निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर मौलिक कहानी लिखिए :—

(i) एक कहानी जिसकी शुरुआत इस पंक्ति से हो—"यह शुभ समाचार मेरे लिये अविश्वसनीय था।"·····

(ii) एक कहानी जिसका अन्तिम वाक्य होगा—·····"और अब वह शान्तिपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकता था।"

2. Read the following passage and briefly answer the questions that follow :—

निम्नलिखित अवतरण पढ़कर अन्त में दिए गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए :—

व्याध की जीविका शिकार से पूरी होती है। एक बार एक व्याध शिकार को निकला। उसने जंगल में जाल फैलाया। बहुत प्रतीक्षा के बाद भी कोई पशु उसमें नहीं फँसा। गोधूलि बेला होने को आई, वह निराश

This Paper consists of 4 printed pages.

© *Copyright reserved.*

होकर जाल समेटने ही जा रहा था कि एक कपोती उसमें फँस गई। आज भगवान को यही मंजूर है, यह सोचकर उसने कपोती को पिंजड़े में बंद किया।

इतने में ही मौसम ने रंग बदला। आसमान में काले बादल उमड़ पड़े और भयंकर आँधी के साथ तेज वर्षा आई। ऐसे मौसम में व्याध घोर जंगल में फँस गया। वह ठंड के मारे काँप रहा था। कोई सहारा न होने पर, वर्षा से बचने के लिए वह एक पेड़ के नीचे खड़ा हो गया।

संयोग की बात थी कि जिस वृक्ष के नीचे वह खड़ा था उसी वृक्ष पर एक कपोत अपनी कपोती का इन्तज़ार कर रहा था। अभी तक वह दाना चुग कर नहीं आई थी। वह अपनी बोली में बार-बार कपोती को पुकार रहा था।

इधर पिंजड़े में बंद कपोती ने अपने डेरे के वृक्ष को पहचाना तथा अपने कपोत पति की आवाज़ पहचान कर कहा—'मैं इस व्याध के पिंजड़े में बंद हूँ। अब आप मेरी चिन्ता न करें। देखिये, हमारे द्वार पर अतिथि आया है। यह व्याध ठंड और भूख से मरा जा रहा है। ऐसी हालत में यह अतिथि यदि अपने द्वार पर भूख और प्यास से मर गया, तो हम बड़े पाप के भागी होंगे। यद्यपि यह हमारा शत्रु है, फिर भी आर्त रूप से हमारे द्वार पर जीवन की भिक्षा माँग रहा है।'

पत्नी की ऐसी धार्मिक बात से कपोत में पवित्र 'धर्म-बुद्धि' जागृत हुई। वह अपना शोक-दुःख भूल गया। वृक्ष से उतरा और व्याध के सामने उपस्थित होकर कहा—हे व्याध ! संयोग से तुम मेरे द्वार पर आए हुए अतिथि हो। ठंड और भूख से तुम बहुत व्याकुल जान पड़ते हो। ऐसे में मेरा धर्म है कि मैं प्राण देकर भी आपकी सेवा करूँ।'

ऐसा कह कर व्याध से कुछ कहे बिना ही वह उड़ा और थोड़ी देर में कहीं से एक जलती हुई लकड़ी लेकर आया। जलती हुई लकड़ी उसने घास-फूस और पत्तियों के ढेर के पास रख दी। थोड़ी देर में आग प्रज्ज्वलित हो उठी। ऐसी ठंड में आग की गर्मी से व्याध को थोड़ी राहत मिली। उसका कँपकँपाना बंद हुआ।

अभी वह थोड़ी गर्मी पाकर प्रसन्न ही हो रहा था कि कपोत ने अग्नि की परिक्रमा की और व्याध से कहा—हे व्याध, तुम्हारी ठंड तो दूर हुई, अब तुम मांस से अपनी भूख भी मिटा लेना।' ऐसा कहते हुए वह जलती हुई अग्नि में कूद पड़ा।

यह बात सुन कर तथा यह दृश्य देखकर व्याध के मुँह से एक आह निकली—'आह, मेरे लिए तुमने अपने जीवन का उत्सर्ग कर दिया। एक मैं हूँ, जो अकारण जीवों को मार कर भूख मिटाता हूँ। मैं कितना बड़ा पापी हूँ। धिक्कार है मुझे।'—ऐसा कहकर उसने पिंजड़ा खोल दिया, ताकि कपोती उड़ जाए।

पर दूसरा चमत्कार हुआ। कपोती बोली—हे व्याध, ये मेरे पति थे। इस वृक्ष पर हमारा बसेरा था। आपने अपनी भूख से दुःखी होकर हमारे बसेरे के नीचे आश्रय लिया था। इस प्रकार आप हमारे अतिथि हुए। अतिथि की सेवा सत्कार करना, उसका दुःख दूर करना आतिथेय का धर्म होता है। मेरे पति ने वही

आतिथेय-धर्म निभाया है। आप दु:खी न हों। हमारा जीवन ही इतना था। उनके भुने मांस से अपनी भूख मिटाइए। मैं भी पति के बिना जीकर क्या करूँगी ? जिस धर्म को निभाने के लिए उन्होंने प्राणों की आहुति दी है, वही धर्म निभाने मैं भी जा रही हूँ। आप मेरे मांस से अपने परिवार की क्षुधा मिटाइये।'

ऐसा कहकर वह कपोती भी जलती हुई अग्नि में कूद पड़ी। इस प्रकार उन दोनों ने आतिथ्य-धर्म का निर्वाह करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

व्याध ठगा सा यह सब देखता रहा।

प्रश्न :

(a) कपोती को पिंजड़े में बंद करते समय व्याध की मन:स्थिति कैसी थी और क्यों ? मौसम परिवर्तन ने व्याध पर क्या प्रभाव डाला था ? [4]

(b) पिंजड़े में बंद कपोती ने कपोत से व्याध के प्रति कैसा व्यवहार करने को कहा और क्यों ? [4]

(c) 'धर्म-बुद्धि' से आप क्या समझते हैं ? 'धर्म-बुद्धि' जागृत होने पर कपोत ने क्या किया और क्यों ? [4]

(d) किस दृश्य ने व्याध को अपनी भूल का ज्ञान कराया और क्या देखकर वह अचम्भित रह गया ? सकारण उत्तर दीजिए। [4]

(e) वर्तमान समय में इस घटना से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? समझाइये। [4]

3. (a) Correct the following sentences :— [5]

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :—

(i) मेरे मित्र अपनी बात सप्रमाण सहित कहता है।

(ii) मैं रविवार के दिन अवश्य ही अध्यापक द्वारा दिया गया ग्रहकार्य पूर्ण करूँगा।

(iii) सुभद्रा कुमारी चौहान हिन्दी की कवि थीं।

(iv) हम तुम्हारा धन्यवाद करता हूँ।

(v) दर्जी ने कमीज़ तो सिल दिया है, पर बटन नहीं लगाया है।

(b) Use the following idioms in sentences of your own to illustrate their meaning :— [5]

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए वाक्यों में प्रयोग कीजिए :—

(i) निन्यानवें के फेर में पड़ना।

(ii) आटे के साथ घुन भी पिसना।

(iii) जल में रहकर मगर से बैर करना।

(iv) हवा का रुख पहचानना।

(v) एक ही लकड़ी से हाँकना।

SECTION B

काव्य-तरंग

4. 'विनय और भक्ति' के आधार पर बताइए कि सूरदास जी ने 'सगुण भक्ति' का समर्थन क्यों किया है। उन्होंने श्रीकृष्ण के प्रति अपनी किस प्रकार की भक्ति प्रकट की है और क्यों ? [12½]

5. 'मैं हूँ उनके साथ खड़ी' कविता के आधार पर बताइए कि आत्मसम्मान से पूर्ण व्यक्तियों की क्या विशेषताएं होती हैं। आपको इस कविता से क्या शिक्षा मिली ? [12½]

6. 'तूफ़ानों की ओर' कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए कि मनुष्य सर्वशक्ति सम्पन्न है। इस कविता को पढ़कर आपके मन में क्या विचार उत्पन्न हुए ? [12½]

निर्मला

7. "सरकंडे के पाँच टुकड़े लाए गए। महँगू ने उन्हें बराबर करके एक डोरे से बाँध दिया और कुछ बुदबुदाकर उसी पीले हाथों से पाँच बार सोहन का सिर सहलाया।"—इन पंक्तियों में वर्णित अन्धविश्वास का कारण आप किसे समझते हैं ? बताइए यह अन्धविश्वास कब और कैसे सुधा के लिए घोर विपत्ति साबित हुआ। [12½]

8. 'निर्मला' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार प्रकट कीजिए तथा यह सिद्ध कीजिए कि यह उपन्यास एक युग-पीड़ित नारी की कथा है। [12½]

9. कल्याणी का चरित्र-चित्रण कीजिए और बताइए कि निर्मला की दुर्दशा के लिए आप उसे किस सीमा तक दोषी समझते हैं। [12½]

कथा सुरभि

10. 'धरती अब भी घूम रही है' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए और बताइए कि सामाजिक अव्यवस्था बच्चों के मन पर किस प्रकार व कैसा प्रभाव डालती है। [12½]

11. 'महाराजा का इलाज' कहानी आधुनिक समाज के उच्च सुविधाभोगी व पूँजीवादी लोगों की मनोवृत्ति पर आधारित कहानी है—स्पष्ट कीजिए। [12½]

12. संतोष-सेतु जब टूट जाता है तब इच्छा का बहाव अपरिमित हो जाता है। 'बूढ़ी काकी' कहानी के आधार पर बताइए कि इच्छा के प्रबल प्रवाह ने काकी को कब और किस प्रकार अधीर बना दिया था। इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिली ? [12½]

ज्वालामुखी के फूल

13. "सेनापति तो ऐसा होना चाहिए सम्राट्, जिसके लिए सेना लड़े। जिसके लिए एक-एक सैनिक प्राण दे सके, हमें ऐसे सेनापति की आवश्यकता है।" प्रस्तुत पंक्ति का संदर्भ देते हुए पूरे घटनाक्रम का वर्णन कीजिए तथा बताइए कि वक्ता की मन:स्थिति इस समय कैसी थी और क्यों। [12½]

14. 'ज्वालामुखी के फूल' उपन्यास में वर्णित घटनाओं के आधार पर चाणक्य का चरित्र-चित्रण कीजिए एवं सिद्ध कीजिए कि वे महान कूटनीतिज्ञ थे। [12½]

15. देवी मुरा ने समाचार दिया कि चाणक्य चन्द्र को अपने साथ ले गया है–शकटार ने राक्षस को इसकी सूचना किस प्रकार दी ? इस सूचना का उस पर क्या प्रभाव पड़ा ? आर्य शकटार ने देवी मुरा को किस प्रकार आश्वस्त किया ? [12½]